



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 172]
No. 172]

नई विल्सी, शान्तिवार, अप्रैल 21, 1979/वैशाख 1, 1901
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 21, 1979/VAISAKHA 1, 1901

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अवगत संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्धोग मंत्रालय

(श्रीद्वयिक विकास विभाग)

आवेदन

नई विल्सी, 21 अप्रैल, 1979

कानून अधीक्षण 216(अ)/18ई/आई० श्री० आर० ए०/७९—केंद्रीय सरकार ने उद्धोग (विकास विभाग) अधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 18 चक के अधीन आरी किये गये भारत सरकार के उद्धोग मंत्रालय (श्रीद्वयिक विभाग) के आवेदन नं० का० आ० 338(ग्र) विनांक 13 मई, 1977 द्वारा भारतीय श्रीद्वयिक प्रतिनियत निगम निमिट्ट, 19 नेताजी सुभाष गोद, कलकत्ता को ऐसमें यूनियन जूट कम्पनी निमिट्ट, कलकत्ता (जिसे इसके पश्चात् उक्त श्रीद्वयिक उपक्रम कहा गया है) का प्रबन्ध उपर्योगित अधिकार के लिए प्रवृत्त करने के लिए प्राधिकृत किया है।

अन्. जब केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम को धारा 183 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त ग्रन्तियों का प्रबन्ध करने हुए, इसमें उपात्त अनुसूची में ऐसे अपवादी, निर्बन्धनां और परिसमाप्ति की विनियिष्ट करती है। विसके अधीन रहने द्वारा अधिनियम, 1956 (1956 का 1) उक्त श्रीद्वयिक उपक्रम को उसी रीति से लागू होता रहता जैसे वह धारा 18 चक के अधीन श्रादेण जारी किये जाने के पूर्व उसमें लागू होता था।

अनुसूची

कम्पनों अधिनियम वे अपवाद, निर्बन्धन और परिसमाप्ति जिनके रहने की 1956 के उपबन्ध हैं स्वतंत्र (1) में वर्णित उपबन्ध उपक्रम को लागू होंगे।

1

2

धारा 108

इस धारा का उपबन्ध उक्त श्रीद्वयिक उपक्रम का लागू नहीं होगा।

धारा 109

-वहो-

धारा 166

इस धारा के उपबन्ध उक्त श्रीद्वयिक उपक्रमों का लागू नहीं होगे। किन्तु यह अपवाद कानूनी विवरणिया और

56 GI/79

1

धारा 169

तुलनपत्र कम्पनियों के रजिस्ट्रार के पास फाईल करेगी। यह दूट कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 169(1) के उपबन्धों को प्रभावित नहीं करेगी।

धारा 210(1)

इस धारा का उपबन्ध उक्त श्रीद्वयिक उपक्रम को लागू नहीं होगा।

धारा 217

इस धारा का उपबन्ध उक्त श्रीद्वयिक उपक्रम को लागू नहीं होगा।

धारा 224

इस धारा के उपबन्ध उक्त श्रीद्वयिक उपक्रमों को लागू नहीं होगा, बरते कि लेखा परीक्षक केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया जाए।

धारा 225

-वहो-

धारा 293

इस धारा का उपबन्ध उक्त श्रीद्वयिक उपक्रम को लागू नहीं होगा।

धारा 294

-वहो-

उक्त दूटों की अवधि उस समय समाप्त हो जाएगी जब इस कम्पनी का प्रबन्ध उद्धोग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन नहीं रह जाएगा।

[फॉर्म नं० 21/1/79-जूट]
पारा १० मार्च 1979
संयुक्त मंत्रिमण्डल

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 21st April, 1979

S.O. 216 (E)/18E/IDRA/79.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 338(E) dated the 16th May, 1977, issued under Section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government has authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, 19-Netaji Subhash Road, Calcutta, to take over the management of Messrs Union Jute Company Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said Industrial undertaking) for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies, in the Schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the said industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the Order under section 18FA.

SCHEDULE

Provisions of the Companies Act., 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking.
1	2
Section 108	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking.
Section 109	-do-
Section 166	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking. It

1	2
Section 169	shall, however, file its statutory returns and balance sheets with the Registrar of Companies. The exemption will not affect provision of Section 159(1) of the Companies Act 1956.
Section 210 (1)	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking.
Section 217	Provision of this sub-section shall not apply to the said industrial undertaking. It shall however, file its statutory returns and balance sheets with the Registrar of Companies. The exemption will not affect the provision of Sec. 159(1) of the Companies Act 1956.
Section 224	Provision of this section shall not apply to the said industrial undertaking subject to the condition that the auditor shall be appointed by the Central Government.
Section 225	-do-
Section 293	Provision of the this section shall not apply to the said industrial undertaking.
Section 294	-do-

The period of exemption in all cases will terminate when the Company ceases to be managed under the I (D& R) Act, 1951.

[F. No. 21/1/79-Jute]
S. K. SARKAR, Jt. Secy.